News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-09
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सपनों के बिना जीवन एक खाली कैनवास है। सपनों को साकार करने के लिए, पहले उन्हें देखना पड़ता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, मंगलवार, 15 अप्रैल , 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज राजद-कांग्रेस की बैठक

सीट शेयरिंग समेत इन मुद्दों पर होगी बात, राहुल भी होंगे शामिल

पटना, बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर बैठकों का दौर जारी है। तीन दिन पहले पटना में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक हुई थी। सोमवार को दरभंगा में एनडीए के सभी प्रमुख नेता एकजुट हुए थे। आज दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के बीच बैठक होगी। इसमें सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बातचीत होगी। नेता प्रतिपक्ष और लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बातचीत करेंगे। तेजस्वी यादव के साथ राजद के वरीय नेता भी मौजूद रहेंगे। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन पूरी तरह तैयार है। आगामी चुनाव में सीट शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर आज की बैठक में चर्चा होगी। यह महज एक औपचारिक बैठक है। राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के बीच संबंध काफी लंबे समय से हैं। अब चुनाव में करीब छह-सात महीने का समय रह गया है। सूत्र बता रहे हैं कि कांग्रेस इस बार भी 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। हालांकि 2020 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को महज 19 सीटों पर ही जीत मिली थी। वामदल भी अपने स्ट्राइक रेट को देखते हुए अधिक सीटों की मांग कर रहा है। और, राजद किसी भी हाल में 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। इसका कारण यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में राजद के टिकट पर सबसे ज्यादा विधायक जीते थे। सूत्र तो यह भी बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर आने वाले समय में कोई विवाद न हो, इसलिए राजद आज ही इस मुद्दे पर बात करेगा। क्योंकि राजद पहले ही तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर चुका है। कांग्रेस का अंदाज इस बार काफी बदला सा लग रहा है। हाल में ही कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया। सवर्ण समाज से आने से वाले अखिलेश सिंह की जगह बिहार की कमान दलित समाज के राजेश कुमार को सौंप दी। कई जिलाध्यक्ष बदल दिए। इसके बाद कन्हैया कुमार ने नेतृत्व में पदयात्रा निकाली। राहुल गांधी भी इसमें शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस का रोल भी बता दिया। इतना ही नहीं अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में जाकर मेहनत करने का निर्देश भी दिया। इन सब बातों से स्पष्ट है कि कांग्रेस बिहार में फिर से बेहतर पोजीशन चाहती है।

लखीसराय में दहेज मुक्त सामूहिक विवाह

558 गरीब परिवारों की बेटियों का हुआ विवाह, 18 जोड़ों ने लिया सात फेरे

उत्तम कुमार . सिटी चीफ

लखीसराय, श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम द्वारा आयोजित दहेज मुक्त सामूहिक विवाह समारोह ने एक नई मिसाल पेश की। इस अनूठी परंपरा का हिस्सा बनते हुए 16वें वर्ष में 18 जोड़ों ने एक साथ विवाह बंधन में बंधे। अब तक इस ट्रस्ट ने 558 गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह कराया है, जो समाज में दहेज की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

इस कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को ट्रस्ट द्वारा कपड़े, जूते-चप्पल, घड़ी, बर्तन और अन्य आवश्यक वस्तुएं निशुल्क प्रदान की गईं। इसके अलावा, कन्याओं को चांदी के आभूषण, पोशाक और घरेलू सामान भी दिए गए। यह आयोजन न केवल एक विवाह समारोह था, बल्कि दहेज उन्मूलन की दिशा में एक सार्थक पहल भी साबित हुआ है।

कार्यक्रम में जिला अधिकारी मिथलेश मिश्र, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, और उप जिलाधिकारी चंदन कुमार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। डीएम मिथलेश मिश्र ने समाज में दहेज की कुरीति को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की और कहा, आज के समय में विवाह एक आर्थिक बोझ बन गया है। हमें अपनी बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना होगा, ताकि वे समाज में एक सशक्त स्थान प्राप्त कर सकें।

अशोक धाम ट्रस्ट के सचिव डॉ. अमित कुमार और डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम का संचालन किया और इस सामाजिक पहल को लेकर अपनी सराहना व्यक्त की। नवविवाहित जोड़े और उनके परिवार इस पहल से बेहद खुश नजर आए और उन्होंने इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा। इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि समाज में दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए ऐसी पहलें महत्वपूर्ण हैं, और यह बदलाव एक कदम आगे बढ़ने के लिए प्रेरणास्त्रोत बन सकती हैं।

पेट्रोल पंप के उद्घाटन पर साड़ी बांट रहे थे विधायक जी

साड़ियां लेने के दौरान मची भगदड़ एक के उपर एक गिरीं महिलाएं

पटना, बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहें है। वैसे-वैसे सियासी घटक दलों के बीच राजनीतिक जमीन तैयार करने को लेकर होड़ मची हुई है। आम जनता को अपने पाले में लाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाएं जा रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण बक्सर जिले के ब्रम्हपुर विधायक के यहां देखने को मिला है। जहां महिलाओं के बीच साड़ी बांटे जाने को लेकर भगदड़ मच गई।

सैकड़ों की संख्या में पहुंची महिलाएं

ब्रम्हपुर विधायक शम्भू यादव के पेट्रोल पंप और एक बड़े गोदाम के उद्घाटन समारोह में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शिरकत करने आए थे। जहां एक जनसभा का आयोजन भी किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंची महिलाओं को एक साड़ी और उसके साथ एक पर्ची भी बांटी जा रही थी। साड़ी लेने के लिए भगदड़ जैसा माहौल हो गया। महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिरती चली गईं।

तेजसवी यादव भी रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक शम्भू यादव ने कहा कि सामने चुनाव हैं। मेरा बिजनेस आगे बढ़ रहा है। एक पेट्रोल पंप और एक बड़ा सा गोदाम बनवाया है। इसका उद्घाटन आज हमारे नेता तेजस्वी जी ने किया। इसके लिए मैंने एक जनसभा आयोजित की है। यहां पहुंची महिलाओं के बीच साड़ी बांटने का काम किया गया, जो कि हमारे नाती पैदा होने पर भखौटी थी।

भगदड़ से नहीं हुई कोई जनहानि

साड़ी पाने वाली महिलाओं की माने तो साड़ी के साथ एक पर्ची भी दी जा रही है, जिसमें वोट देने की बातें हैं। भगदड़ में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

मुजफ्फरपुर-पटना एनएच-22 पर चलती टाटा मैजिक में लगी आग

चालक ने कूद कर बचाई जान

मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र के अकरहा पुल के पास सोमवार देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई जब पटना की ओर जा रही एक टाटा मैजिक पिकअप में अचानक आग लग गई। घटना मुजफ्फरपुर-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 22 (ह॥-22) की है, जहां चलती गाड़ी में आग लगने से कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

जानकारी के मुताबिक, वाहन में आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ब्रेक लगाकर वाहन को सड़क किनारे खड़ा किया और कूदकर अपनी जान बचाई। गाड़ी के अंदर आग तेजी से फैलने लगी और कुछ ही पलों में धू-धू कर जलने लगी। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और स्थिति बेहद अफरा-तफरी वाली हो गई।

सूचना मिलते ही कुढ़नी थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत यह रही कि वाहन खाली था और उसमें कोई सवार नहीं था, जिससे कोई बड़ा नुकसान या जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वायरिंग में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस पूरी घटना के दौरान चालक की तत्परता से न केवल उसकी जान बची, बल्कि सड़क पर किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका भी टल गई। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और वाहन को सड़क किनारे से हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है।

बिहार के सरकारी अस्पताल में सांप काटने पर हॉस्पिटल पहुंचा युवक

इलाज के लिए गिड़गिड़ाता रहा...लेकिन आराम फरमाते रहे डॉक्टर

बेगूसराय, बिहार के बेगूसराय सदर अस्पताल के डॉक्टर मरीज का इलाज करने के बजाय आराम फरमाना यादा पसंद करते हैं। बेगूसराय सदर अस्पताल में डॉक्टर ने सांप काटे मरीज अमरेंद्र मिश्रा का इलाज करने से इंकार कर दिया साथ ही दुर्व्यवहार भी किया। इमरजेंसी ड्यूटी के दौरान इलाज करने के बजाय डॉक्टर आराम फरमाते नजर आए।

बेगूसराय सदर अस्पताल में सांप के काटे एक मरीज को डॉक्टर ने न सिर्फ देखने से इंकार कर दिया बल्कि उसके साथ बदसलूकी भी की।

बेगूसराय सदर अस्पताल में पदस्थापित डॉक्टर इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात थे जो मरीज के इलाज के बदले डॉक्टर के कमरे में आराम फरमाते नजर आए। इस घटना से नाराज मरीज और उसके परिजन हंगामा करते रहे पर डॉक्टर ने उनको अपने कमरे से बाहर चले जाने को कहा है, जिसके बाद मरीज और परिजनों का गुस्सा और भड़क गया।

दरअसल,बेगूसराय शहर के भारद्वाज नगर के रहने वाले अमरेंद्र मिश्रा नामक व्यक्ति को सांप ने काट लिया, जिसके बाद वह सदर अस्पताल इलाज कराने पहुंचे थे। अमरेंद्र मिश्रा का आरोप है कि वो बार बार इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर से इलाज करने की मिन्नत कर रहे थे। पहले डॉक्टर ने रुकने बोला, बाद में डॉक्टर ने उन्हें देखने से इंकार कर दिया। आरोप है कि जब डॉक्टर को उन्होंने उनकी ड्यूटी याद दिलाई तो डॉक्टर ने इलाज के बदले दुर्व्यवहार किया। अमरेंद्र मिश्रा ने आरोप लगाया कि डॉक्टर चैंबर की जगह अपने रूम में आराम फरमाते रहे। जब मरीज वहां भी उनसे मिलना चाहा तो डॉक्टर ने उन लोगों को गार्ड से कह कर रूम से बाहर निकलवा दिया।

बिहार में 2000 से यादा शिक्षा सेवकों की होगी नियुक्ति

बिहार के विभिन्न जिलों में 2206 रिक्त पदों पर शिक्षा सेवकों (तालीमी मरकज) की नियुक्ति होगी। इनकी चयन प्रक्रिया 30 जून तक पूरी कर ली जाएगी। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। विभाग ने अपने पत्र में लिखा है कि महादलित, दलित, अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग अक्षर आंचल योजना के तहत जिलों में शिक्षा सेवक कार्यकरत हैं। रिक्त पदों पर शिक्षा सेवकों के चयन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए जून, 2024 में ही रिमाइंडर दिया गया था। इसके बाद भी अब-तक चयन प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। इसलिए निर्देश दिया जाता है कि जहां सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है, वहां 15 जून तक शिक्षक सेवकों का चयन कर लें। वहीं, जहां सर्वेक्षण का काम अधूरा है, वहां पर 30 जून तक चयन प्रक्रिया पूरी कर लें। इसको लेकर विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है।

अभिनेता मुकेश खन्ना ने कार्यक्रम में बोले कहा - बिहार लालू और आलू से ऊपर उठ नहीं पाया

धारावाहिक महाभारत में भीष्म पितामह का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना सोमवार को समस्तीपुर पहुंचे। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बिहार की शिक्षा और राजनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कभी शिक्षा का गढ़ रहा बिहार आज अपने मूल्यों से भटक गया है। नालंदा जैसी विश्वविख्यात संस्था वाले राय में अब परीक्षा के दौरान खिड़कियों से नकल कराते अभिभावक नजर आते हैं, जो बेहद शर्मनाक है।

खन्ना ने बताया कि हाल के दिनों में उन्होंने बिहार के कई स्कूलों का उद्घाटन किया है। इस दौरान उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा दान बताते हुए कहा कि अगर जितने मंदिर खोले जाते हैं, उतने स्कूल भी खोले जाएं, तो देश की तस्वीर बदल सकती है। राय की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार आज भी लालू और आलू से ऊपर नहीं उठ पाया है। सड़कें नहीं बनीं, विकास ठप है। उन्होंने याद किया कि एक बार लालू यादव ने बिहार की सड़कों की तुलना हेमा मालिनी के गालों से की थी, जो उन्हें अनुचित लगा। मुकेश खन्ना ने कहा कि बिहार में हर घर में कट्टा है। जनता को भी अब समझदारी दिखानी होगी और सही नेताओं का चुनाव करना होगा। उन्होंने राजनीति को आम जनजीवन पर हावी बताते हुए कहा कि लोगों को पहले खुद सिविलाइज होना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि मेरा देश प्रगति पर है, तो फिर बिहार प्रगति पर क्यों नहीं है? यहां ट्रेनों में लोग लटक-लटककर सफर करते हैं। 50 और ट्रेनें चलाई जाएं, बुलेट ट्रेन जैसी योजनाएं बंद की जाएं जो आम जनता के काम की नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश की राजनीति ऐसी हो गई है कि जो प्रधानमंत्री बनता है, उसे पूरे देश का राजा बना दिया जाता है। नहीं तो कोई कोलकाता से कहता है कि हम उसे यहां नहीं आने देंगे। देश किसी के बाप का नहीं है।

मुकेश खन्ना ने आगे सरदार वल्लभभाई पटेल का जिक्र करते हुए कहा कि पटेल जी ने रियासतों को जोड़कर राष्ट्र का निर्माण किया था, लेकिन आज फिर से रियासतें बन रही हैं। केरल अलग है, बिहार अलग है, पंजाब अलग हो गया है। मुकेश खन्ना ने कहा कि अकेले मोदी जी क्या कर सकते हैं? उनका प्रभाव वहीं तक सीमित है, जहां उनकी खुद की सरकार है। इसलिए लोगों को चाहिए कि विकास कार्यों के लिए केंद्र और राय दोनों जगह एक ही सरकार को चुना जाए, नहीं तो केजरीवाल जैसे हालात होंगे। पांच साल सिर्फ झगड़ा, काम कुछ नहीं।